DEPARTMENT OF HINDI

- **M. A. in HINDI :**

FACULTY OF ARTS

- **THIRD SEMESTER** (ODD SEMESTER)

Eligibility Criteria (Qualifying Exams)	Course Code	Course Type	Course (Paper/Subjects)	Credits	Contact Hours Per WeeK			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
After appearing in the Second semester examination irrespective of any number of back/ arrear papers	HND 301	CCC	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाए	06	4	3	00	3	00
	HND 302	CCC	छायावादोत्तर हिंदी काव्य	06	4	3	00	3	00
	HND 303	CCC	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	06	4	3	00	3	00
	HND S02	OSC	बौद्धिक संपदा, मानवाधिकार एवं पर्यावरण : पृष्ठभूमि	06	4	3	00	3	00
			जनजातीय अध्ययन	06	4	3	00	3	00
	HNDC 02	ECC/CB	हिंदी आलोचना						
			हिन्दी साहित्य और भारतीय संस्कृति						
	HNDC 04	ECC/CB	दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन						
			हिंद नाटक एवं रंगमंच						
	HNDC 06	ECC/CB	लोक साहित्य						
	MINIMUM CREDITS IN INDIVIDUAL SUBJECT IS 6 AND IN COMPLETE SEMESTER IT WOULD BE 30			TOTAL= 30					

Scanned by CamScanner

COURSE CODE:HND301			COURSE TYPE:CC3
COURSE TITLE हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ			
CREDIT: THEORY: 6	PRACTICAL: NA	HOURS: 90 THEORY: 90	PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 80+20	PRACTICAL:	MARKS THEORY:	PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. हिंदी गद्य साहित्य के विकासक्रम की जानकारी।
2. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित करना।

UNIT-1/Hours	सरदार पूर्ण सिंह – सच्ची वीरता (निबंध) आचार्य रामचंद्र शुक्ल– कविता क्या है, काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था (निबंध) पाठ्यग्रन्थ – हिन्दी निबंध नवनीत – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ.राजकुमार उपाध्याय मणि
UNIT-2/Hours	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी– अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन, साहित्यकारों का दायित्व (निबंध) डॉ. कुबेरनाथ राय–सूर्य और अतिसूर्य (निबंध)
UNIT-3/Hours	महादेवी वर्मा – सबिया (रेखाचित्र) अमृत लाल नागर – डॉ. रामबिलास शर्मा – एक संस्मरण (संस्मरण)
UNIT-4/Hours	अज्ञेय – मौत की घाटी (यात्र संस्मरण) मोहन राकेश – स्मृति की एक रील (डायरी) हरिबंश राय बच्चन – कायस्थ पाठशाला का एक दिन (आत्मकथा)

Scanned by CamScanner

UNIT-5/Hours

अमृत राय – कलम का सिपाही (जीवनी)

पाठ्यग्रन्थ – हिन्दी गद्य विधायन – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी ,डॉ.राजकुमार उपाध्याय मणि

अनुशंसित ग्रंथ

1. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध – महादेवी वर्मा
2. हिंदी निबंध और निबंधकार – डॉ ठाकुर प्रसाद सिंह
3. हिंदी के प्रमुख निबंधकार : रचना और शिल्प – डॉ गणेश वर्मा
4. हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा
5. हिन्दी निबंध नवनीत – डॉ. राधेश्याम दुबे,डॉ.राजकुमार उपाध्याय मणि
6. हिंदी रेखाचित्र : सिद्धांत और विकास – मक्खन लाल शर्मा
7. रेखाचित्र : स्वरूप और समीक्षा – डॉ.विश्वनाथ प्रताप सिंह
8. हिंदी यात्रा साहित्य – संपादन डॉ.तुकाराम पाटील तथा डॉ नीलाबोवर्णकर
9. हिन्दी गद्य विधायन – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी,डॉ.राजकुमार उपाध्याय मणि
10. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

Scanned by CamScanner

COURSE CODE:HND302			
COURSE TITLE छायावादोत्तर हिंदी काव्य			COURSE TYPE: CCC
CREDIT: THEORY: 6	PRACTICAL: NA	HOURS: 90 THEORY: 90	PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 80+20	PRACTICAL:	MARKS THEORY:	PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. छात्रों को छायावादोत्तर हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. छायावादोत्तर हिंदी काव्य के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छायावादोत्तर हिंदी काव्य के तात्कालिक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।

UNIT-1 18 Hours	चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)
UNIT-2 18 Hours	आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्यवीणा)
UNIT-3 18 Hours	प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन(मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थी, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)
UNIT-4 18 Hours	त्रिकाल संध्या, सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

Scanned by CamScanner

UNIT-5
18 Hours

संशय की एक रात : नरेश मेहता(प्रथम सर्ग)

अनुशंसित ग्रंथ

1 समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव
3. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सराफ
4. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
5. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ.संतोष कुमार तिवारी
6. नई कविता के नये कवि – विश्वंभर मानव
7. समकालीन कविता – डॉ.सूरज प्रसाद मिश्र
8. कविता के नये प्रतिमान – डॉ.नामवर सिंह
9. समकालीन कविता का व्याकरण – परमानंद श्रीवास्तव
10. साठोत्तरी हिंदी कविता की परिवर्तित दिशाएँ – विजय कुमार
11. आधुनिक हिंदी काव्यधारा – डॉ.सूरज प्रसाद मिश्र
12. कविता का अर्थ – परमानंद श्रीवास्तव
13. अथातो काव्य जिज्ञासा – डॉ. मंजुल भगत
14. नई कविता की चेतना – डॉ. जगदीश कुमार
15. नागार्जुन एक लंबी जिरह – विष्णुचंद्र शर्मा
16. नागार्जुन जीवन और साहित्य – डॉ.प्रकाश चंद्र भट्ट
17. नागार्जुन का काव्य एक पड़ताल – भगवान तिवारी
18. अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी
19. प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता कवि और अज्ञेय – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

Scanned by CamScanner

COURSE CODE:HND303		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE पाश्चात्य काव्यशास्त्र		
CREDIT: THEORY: 6	PRACTICAL: NA	HOURS: 90 THEORY: 90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 80+20	PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासकम का परिचय देना।
3. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों को ज्ञान कराना।
4. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य, वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
5. नई समीक्षा के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
6. आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों की समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

UNIT-1 18 Hours	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय। 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : प्राचीन काल 2. मध्युगीन कला – साहित्य – चिंतन 3. आधुनिक युगीन कला – साहित्य– चिंतन
UNIT-2 18 Hours	प्रमुख पाश्चात्य साहित्य –आचार्य अ. प्लेटो–काव्यसिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत। ब. अरस्तू के काव्य सिद्धांत–अनुकरण सिद्धांत, प्लेटो और अरस्तू की अनुकरण विषयक धारणा, दोनों के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना। विरेचन सिद्धांत : स्वरूप विवेचन तथा व्याख्याएँ, विवेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन। लोंजाइनस – उदात्त सिद्धांत, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान आई.ए.रिचर्डस् – रिचर्डस् का मनौवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत, काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, रिचर्डस् का योगदान।
UNIT-3 18 Hours	इलियट – इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत, इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी धारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप, इलियट का योगदान। क्रोचे – क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, स्वरूप विवेचन, अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धांत। वड्सवर्थ – वड्सवर्थ की काव्य भाषा का सिद्धांत। जॉन ड्राइडन : युग परिवेश और आलोचना सिद्धांत। मैथ्यू आर्नाल्ड – मैथ्यू आर्नाल्ड : कला और नैतिकता, आलोचना का स्वरूप।

Scanned by CamScanner

UNIT-4 18 Hours	साहित्य सिद्धांत और विचारधाराएँ अभिजात्यवाद और स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना, साहित्य चिंतन के विविधवाद, साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद और उत्तर आधुनिकतावाद।
UNIT-5 18 Hours	साहित्य चिंतन के विविध वाद– कलावाद – कला, कला के लिए, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, फैंटेसी मिथक यथार्थवाद

अनुशंसित ग्रंथ

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा
4. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिंह
6. आधुनिक समीक्षा – डॉ.भगवतस्वरूप मिश्र
7. पाश्चात्य साहित्यालोचन एवं हिंदी पर उसका प्रभाव – डॉ.रवींद्र सहाय वर्मा
8. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र – डॉ.विष्णुदत्त राकेश
9. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन
10. नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन
11. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य – डॉ.नगेंद्र
12. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
13. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह
14. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
15. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – डॉ.कृष्णदत्त पालीवाल
16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र
17. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी
18. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.सुरेश कुमार जैन
19. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – सं. देवीशंकर 'नवीन'
20. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ दीक्षित
21. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन – जगदीश चन्द्र जैन

    पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र

Scanned by CamScanner

COURSE CODE:HNDC05

COURSE TITLE हिंदी नाटक एवं रंगमंच		COURSE TYPE: ECC/CB
CREDIT: THEORY: 6	PRACTICAL: NA	HOURS: 90 THEORY: 90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 80+20	PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. नाटक एवं रंगमंच के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

UNIT-1 18 Hours	हिन्दी नाटक का उद्भव विकास, नाटक के भेद एवं तत्व प्रमुख एकांकी – औरंगजेब की आखरी रात – रामकुमार वर्मा विष कन्या – गोविन्द बल्लभ पन्त
UNIT-2 18 Hours	अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
UNIT-3 18 Hours	ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
UNIT-4 18 Hours	अंधा युग – धर्मबीर भारती

Scanned by CamScanner

UNIT-5
18 Hours

आधे–अधूरे – मोहन राकेश

अनुशंसित ग्रंथ

1. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
2. पहला रंग – देवेंद्र नाथ अंकुर
3. रंगपरंपरा – नेमीचंद्र जैन
4. एकांकी सप्तक – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
5. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
6. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी
7. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्परूप – डॉ.नरबदेश्वर राय
8. रंग हबीन – भारत रत्न भार्गव
9. नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी
10. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना – डॉ. गिरीष रस्तोगी
11. रंगमंच और नाटक की भूमिका – लक्ष्मीनारायण लाल
12. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह
13. भारतीय नाट्य साहित्य – डॉ नगेंद्र
14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच : समस्या और उपलब्धि – डॉ ओ पी शर्मा
15. हिन्दी नाट्य साहित्य के चतुःस्तम्भ – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

Scanned by CamScanner